

बी०ए० संस्कृत
सत्र- प्रथम (Semester-I)

आधारभूत पत्र (Core paper)
BSG-C121

संस्कृतभाषा
Sanskrit Language

पूर्णाङ्क -100
सत्रान्त परीक्षा -60
आन्तरिक परीक्षा-40
क्रेडिट- 06

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को संस्कृत भाषा की सामान्य जानकारी देना है। इसके माध्यम से छात्र को संस्कृत भाषा एवं संस्कृत शब्दों के ज्ञान से परिचित कराना है। पाठ्यक्रम का एक उद्देश्य यह भी है कि छात्र भाषा का प्रयोग सम्यक् रूप से करने में समर्थ हो सकें।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

- CO1 इसके अध्ययन से छात्र संस्कृत शब्द ज्ञान से परिचित होंगे।
- CO2 छात्र संस्कृतभाषा के संरचनात्मक भाषावैशिष्ट्य को जानेंगे।
- CO3 इसके अध्ययन से छात्र प्राचीन लौकिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- CO4 इसके अध्ययन से छात्र आध्यात्मिक ज्ञान से परिचित होंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) तथा सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) में 25 अंक सत्रीय परीक्षा, 10 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) में प्रश्नपत्र क, ख एवं ग तीन खण्डों में विभक्त होगा। खण्ड क में 05 अतिलघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे तथा प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा। खण्ड ख में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 04 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ख का प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का होगा। खण्ड ग में 05 दीर्घोत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 03 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ग का प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Unit-1 संस्कृत शब्द ज्ञान (प्रौढ रचनानुवादकौमुदी के अनुसार)

- 1. संख्या ज्ञान 1-50 संख्या तक
- 2. विद्यालय वर्ग अध्याय 14, लेखनसामग्री वर्ग अध्याय 15, सम्बन्धिवर्ग अध्याय 18
- 3. अन्न वर्ग अध्याय 26, भक्ष्यवर्ग अध्याय 27, मिष्टान्नवर्ग अध्याय 28, पानादिवर्ग अध्याय 29, पात्रवर्ग अध्याय 30

Unit-2 हितोपदेश (प्राक्कथन एवं प्रस्तावना को छोड़कर मित्रलाभ की प्रारम्भिक दो कहानी श्लोक 56 तक)

- 1. अनुवाद, व्याख्या और विवेचना
- 2. कथा का सार एवं महत्त्व
- 3. कवि परिचय

Unit-3 गीता (सप्तदश अध्याय)

- 1. श्लोकों की व्याख्या एवं विवेचना
- 2. गीता परिचय

Unit-4 यक्ष युधिष्ठिर संवाद (प्रारम्भिक 30 श्लोक)

- 1. श्लोकों का अनुवाद एवं व्याख्या

Unit-5 अनुवाद

1. प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी के प्रारम्भिक 05 अध्याय
2. यूनिट 1 में दिये गये शब्दों का सामान्य वाक्यों में प्रयोग

सन्दर्भ ग्रन्थ-

1. प्रौढ रचनानुवादकौमुदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, नखास चौक, गोरखपुर
2. विष्णुदत्त शर्मा शास्त्री (व्या.), भर्तृहरिकृत नीतिशतकम्, विमलचन्द्रिकासंस्कृतटीका व हिन्दी- व्याख्यासहित, ज्ञानप्रकाशन, मेरठ ।
3. हितोपदेश, चौखम्बा प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. गीता, सामर्पणभाष्य, चित्रा मुद्रणालय, बुढाना गेट, मेरठ
5. महाभारत, गीता प्रेस, गोरखपुर
6. प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

Mapping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	छात्र संस्कृत पद्य रचना की प्रवृत्ति एवं सिद्धान्तों से परिचित होंगे।।	PO.13
CO2	छात्र संस्कृतभाषा के संरचनात्मक भाषावैशिष्ट्य को जानेंगे।	PO.2
CO3	छात्र प्राचीन सामाजिक स्थिति एवं सांस्कृतिक मूल्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।	PO.4, PO.7

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assessment)

यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO.13, PO.2, PO.4, PO.7 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।

बी०ए० संस्कृत
सत्र- प्रथम (Semester-I)

नैतिकमूल्यपरक पाठ्यक्रम
BSA-V121

श्रेष्ठ जीवन एवं नैतिकता

पूर्णाङ्क -50
सत्रान्त परीक्षा -30
आन्तरिक परीक्षा-20
सकल-अर्जिताधिभार 02

पाठ्यक्रम उद्देश्य -

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य संस्कृत साहित्य में निहित नैतिक मूल्यों से छात्रों को परिचित कराना तथा संस्कारित करना है। एतर्था इस पाठ्यक्रम में संस्कार, पञ्च महायज्ञ तथा संस्कृत साहित्यगत नैतिक मूल्यों को समाविष्ट किया गया है।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम

- CO1 पञ्चमहायज्ञ के स्वरूप से परिचित होंगे।
 - CO2 मानव जीवन में संस्कारों की महत्ता जानेंगे एवं उनके अनुष्ठान में कुशल होंगे।
 - CO3 छात्रों में नैतिक मूल्य विकसित होंगे।
 - CO4 छात्र धर्म के यथार्थ स्वरूप तथा उसके समालोचनात्मक स्वरूप को जानेंगे।
- प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि**

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (20 अंक) एवं सत्रान्त परीक्षा (30 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन में 10 अंक सत्रीय परीक्षा, 05 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 05 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Unit-I मानव जीवन एवं नैतिकता

- 1 नैतिकता का स्वरूप एवं महत्त्व
- 2 श्रेष्ठता एवं सफलता का आधार नैतिकता
- 3 पञ्च महायज्ञ का परिचय एवं महत्त्व
- 4 संस्कारों का परिचय एवं महत्त्व

Unit-II धर्म एवं नैतिकता

- 1 धर्म का स्वरूप - मनु० 2/35 , 4/240 - 243, 6-13 , 6/92-94
(क) ब्रह्मचारी के नियम - मनु० 2/177 -183 , 191 -202 , 218
(ख) गायत्री जप विधि - मनु० 2/75 - 85 , 106
- 2 प्रातः जागरण - मनु० 4/ 92 - 94
- 3 यम नियम - जीवन एवं समाज में महत्त्व (योग दर्शन द्वितीय पाद के अनुसार)
- 4 आहार शुद्धि एवं सत्त्व शुद्धि
(क) सात्विक आहार - गीता-4/30, 6/16-17, 9/26-27 , छान्दोग्य उपनिषद् -2/26
(ख) भक्ष्याभक्ष्य मनुस्मृति - 5 / 2, 3, 4, 5 ; 8/ 46, 49, 51

5 भोजन मन्त्र - अन्नपते..... एवं मोघमन्नं विन्दते..... दोनों मन्त्रों का अर्थ सहित स्मरण

Unit-III उन्नतिकारक वेद एवं नीति वचन

- 1 चाणक्य नीति 5/7 -20 (13 श्लोक) आलस्योपहता विद्या (7 /01- 20) प्रमुख श्लोक
- 2 विदुर नीति - पण्डित के लक्षण अध्याय 1/20-24
- 3 साम्मनस्य सूक्त अथर्ववेद 3/30
- 4 ब्रह्मचर्य सूक्त- प्रमुख मन्त्र अथर्ववेद 11/5 (1-10)
- 5 अमृत अभिलाषी बालक - (कठोपनिषद् प्रथम वल्ली की कथा)

Unit-IV प्रयोगात्मक

- 1 नैतिकता प्राप्ति के साधन - ध्यान एवं प्राणायाम का अभ्यास
- 2 प्राणायाम - दीर्घ श्वसन , अनुलोम विलोम अन्त : कुम्भक , बाह्य कुम्भक
- 3 घर में अतिथि यज्ञ एवं बलिवैश्वदेव यज्ञ का अभ्यास
- 4 अग्निहोत्र अनुष्ठान

संस्तुत ग्रन्थ-

1. पञ्च महायज्ञ विधि - महर्षि दयानन्द सरस्वती, आर्ष साहित्य प्रकाशक ट्रस्ट, खारी बावड़ी, दिल्ली
2. पञ्च यज्ञ प्रकाश - स्वामी समर्पणानन्द सरस्वती , गुरुकुल प्रभात आश्रम, भोला, मेरठ उत्तर प्रदेश
3. संस्कार विधि - महर्षि दयानन्द सरस्वती, आर्ष साहित्य प्रकाशक ट्रस्ट, खारी बावड़ी, दिल्ली
4. मनुस्मृति - कुल्लुक भट्ट - टीका , चौखम्भा संस्कृत भवन, पो० बाक्स नंबर 1160 , चौक वाराणसी
5. योग दर्शन - द्वितीय पाद, गीता प्रैस, गोरखपुर
6. चाणक्य नीति- चौखम्भा प्रकाशन, नई दिल्ली
7. विदुर नीति - विजय कुमार गोविन्दराम हासानन्द, नई सड़क, नई दिल्ली

Mapping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	पञ्चमहायज्ञ के स्वरूप से परिचित होंगे।	PO.4
CO2	मानव जीवन में संस्कारों की महत्ता जानेंगे एवं उनके अनुष्ठान में कुशल होंगे।	PO.4
CO3	छात्रों में नैतिक मूल्य विकसित होंगे।	PO.6
CO4	छात्र धर्म के यथार्थ स्वरूप तथा उसके समालोचनात्मक स्वरूप को जानेंगे।	PO.11 एवं 4

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assessment)

यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO.4, PO.6, PO.11 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।